युवक की हत्या का खुलासा, युवती सहित पांच जने गिरफ्तार

युवक की हत्या कर शव को भीण्डर हॉस्पिटल में छोड़कर भाग गये थे बदमाश

भीण्डर/कानोड़, (निसं)। भीण्डर हॉस्पिटल में गत दो फरवरी को अज्ञात बदमाशों द्वारा हत्या करके लाश छोड़ कर भागने वाले मामले में पुलिस ने खुलासा करके युवती सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। शनिवार को उदयपुर जिला पुलिस अधीक्षक भुवन भूषण यादव ने मामले का खुलासा करते हुए भीण्डर व कानोड थाने की टीम द्वारा पकड़े गये आरोपियों की जानकारी दी। युवक को हनी ट्रैप में फंसाकर गिरोह के सदस्यों ने रुपयों की मांग को लेकर मारपीट की और उससे युवक की मौत होने पर भीण्डर हॉस्पिटल में छोड़ करके भागने तक मामले का पूरा खुलासा किया।

भीण्डर पुलिस ने हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

उदयपुर एसपी भुवन भूषण यादव ने बताया कि कानोड थाना क्षेत्र के बड़ा राजपुरा गांव निवासी मदनमोहन उर्फ टोनी (27) पुत्र कैलाशचंद पाटीदार जो कि कानोड रेलवे स्टेशन पर किराणा स्टोर का संचालन करता हैं और शराब के ठेकों में भी साझेदारी थी। एक फरवरी से युवक लापता था, जिसका शव दो फरवरी को भीण्डर हॉस्पिटल में मिला। मामले में युवक के पिता ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। युवक के पिता ने रिपोर्ट में बताया कि उनका बेटा कानोड रेलवे स्टेशन पर पाटीदार एजेंसी के नाम से किराणे की दुकान चलाता था। एक फरवरी की सुबह करीब नौ बजे बाइक पर दुकान गया था। शाम को घर नहीं लौटा तो फोन किया तो स्वीच ऑफ मिला। कभी-कभी दुकान पर ही रात को सो जाने के चलते परिवार ने ज्यादा नहीं सोचा। लेकिन सुबह फोन आया कि मदनमोहन भीण्डर हॉस्पिटल में हैं तो परिजन हॉस्पिटल पहुंचे। यहां मदनमोहन का शव मिला था।

एसपी ने बताया कि शव को सीएचसी भीण्डर छोड़ने वाले अज्ञात वाहन और सीसीटीवी में नजर आए युवकों पर जांच को आगे बढ़ाया गया था। वाहन मालिक रतनसिंह, उनके साथी राजू गुर्जर, पुष्पेन्द्र सिंह की पहचान कर तलाश शुरू की गई। टीम वाहन नम्बर से आरोपियों तक पहुंचने में मदद की। आरोपी घटना के बाद मुख्य मार्गों को छोडकर कच्चे रास्ते से राजस्थान से बाहर मध्यप्रदेश व गुजरात की तरफ चले गए। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश देकर धर दबोचा। गिरोह के मुख्य सरगना राजू ने साथियों से मिलकर युवक को हनी ट्रैप में फंसाने की योजना बनाई थी। राजू ने अपने साथी पुष्पेन्द्र सिंह, रतन सिंह, अनीश, साजिद के साथ मिलकर मध्यप्रदेश जीरापुर निवासी अंजू उर्फ हिना भिलाला को रुपयों का लालच देकर विशेष टास्क दिया था। युवक को फंसाने के लिए गैंग के सरगना ने अंजू को मोबाइल और सिम दिलवाया था। प्लानिंग के तहत दो फरवरी को घटना के करीब 15 दिन पहले चित्तौडगढ़ की एक होटल में अंजू और युवक को मिलवाया गया था।

एक फरवरी को अंजु (हिना) ने युवक को चित्तौड़गढ़ के आवरीमाता मंदिर बुलाया था। युवक अपने घर से बाइक सालेडा होते हुए होटल राजदीप पैलेस पहुंचा। यहां से युवती अंजु को लेकर आवरीमाता गया था। मंदिर से वापसी में अंजू को चौराहा पर छोड़ा था। प्लानिंग के अनुसार गिरोह के सदस्य साजिद ने अपने दोस्तों राजू गुर्जर, पुष्पेन्द्र सिंह, रतन सिंह के साथ रास्ते में युवक को रोका। साजिद ने अंजू को अपनी भाभी बताकर युवक को धमकी दी। कहा कि उसके साथ गलत काम करने के केस में फंसा देंगे। युवक के साथ मारपीट की। मारपीट के बाद गैंग के सदस्यों ने युवक से 6 लाख रुपए की डिमांड की। रुपए मिलने तक उसे अपने कब्जे में भी रखा। दो फरवरी की सुबह अचानक उसकी छाती में दर्द उठा। गैंग के लोग उसे इलाज करवाने के लिए भीण्डर के आरोग्यम हॉस्पिटल लेकर गए। वहां से सीएचसी भीण्डर ले जाते हुए रास्ते में युवक ने बोलना बंद कर दिया। इसके बाद बदमाश युवक

- युवक को हनी ट्रैप में फंसाकर गिरोह के सदस्यों ने रुपयों की मांग को लेकर मारपीट की थी

को सीएचसी भीण्डर छोड़कर भाग गए। तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। पुलिस भी मौके पर पहुंची। तब पिता ने हत्या का मामला दर्ज करवाया।

भीण्डर पुलिस ने गैंग का शातिर बदमाश चित्तौड़गढ़ जिले के किशन करेरी गांव का निवासी राजू उर्फ राजमल गुर्जर पुत्र बालू गुर्जर, चित्तौड़गढ़ के डूंगला थाना क्षेत्र के अरथला निवासी पुष्पेन्द्र सिंह उर्फ पप्पी सिसोदिया पुत्र निर्भय सिंह सिसोदिया, चित्तौड़गढ़ के डूंगला थाना क्षेत्र के देवीपुरा निवासी रतन सिंह उर्फ रतन देवडा पुत्र किशनसिंह देवड़ा, चित्तौड़गढ़ जिले के भदेसर थाना क्षेत्र के कन्नौज निवासी अनीश पुत्र मोहम्मद हफीज और मध्यप्रदेश के राजगढ़ थाने के जीरापुर देवनारायण कॉलोनी निवासी अंजू उर्फ हिना पत्नि शिवसिंह भिलाला को गिरफ्तार किया है। एसपी ने बताया कि मामले में साजिद और अन्य की तलाश जारी है। एसपी ने बताया कि आरोपी शातिर प्रवृति के है और मानवीय कमजोरी को ध्यान में रखते हुए हुस्न का जाल बिछाकर हनी ट्रैप में फंसाकर पैसे ऐंठने का काम करते हैं।

डकैती की योजना बनाते छह गिरफ्तार

तीन अवैध देशी पिस्टल, छुरा व मिर्ची पाउडर बरामद

पुलिस ने डकैती की योजना बनाते छह जनों को गिरफ्तार किया।

ब्यावर, (निसं)। पुलिस मुख्यालय द्वारा जघन्य अपराध तथा अपराधियों के विरूद्ध जारी अभियान के तहत जिला पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु जांगिड़ के निर्देशन में मनीष चौधरी सहायक पुलिस अधीक्षक के निकट सुपरविजन में जिला स्पेशल टीम की सूचना पर राजेन्द्र ताडा उप निरीक्षक, थानाधिकारी जवाजा के नेतृत्व में छह जनों को डकैती की योजना बनाते गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार आठ फरवरी को रात्रि जिला स्पेशल टीम को सूचना मिली कि कुछ व्यक्ति राजियावास के पास हाईवे पर घाटी में छुपे हुए हैं तथा उनके पास हथियार भी हो सकते हैं। ये सभी किसी बड़ी वारदात की फिराक में है। उक्त घटना के बारे में जिला स्पेशल टीम ने थानाधिकारी जवाजा को अवगत करवाया। इस पर थानाधिकारी मय जाब्ता के जिला स्पेशल टीम द्वारा बताये स्थान के पास पहुंचे। जहां आसपास जांच की गई और राजियावास भीलवाडा रोड घाटी के पास पहुंचे। जहां पास ही कुछ हलचल दिखाई दी। इस पर टीम ने आसपास चारों तरफ पहाड़ों पर से घेरा दिया व देखा तो वहां झाड़ियों के बीच 6 लड़के आपस में योजना बना रहे थे। टीम जैसे ही अभियुक्तों के पास पहुंची तो सभी लड़के पहाड़ों व जंगलों में भागने का प्रयास करने लगे जिनका पहले से ही सतर्क पुलिस टीम ने पीछा करते हुए पकड़ लिया। जिनकी तलाशी में 3 देशी पिस्टल तथा 12 जिंदा कारतूस, एक छुरा, एक सरिया, रस्सा तथा मिर्ची पाउडर मिला।

सभी आरोपियों से जब इस बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि वे सभी मिल कर ब्यावर शहर में किसी सेठ के घर में डकैती करने जाना चाह रहे थे, लेकिन उनके पास गाडी नहीं थी। इसलिये हाईवे पर सुनसान घाटी ईलाके में जहां कोई वाहन धीमी गति से ही चल पाता है वहां पर किसी लग्जरी गाड़ी को रोककर चाकू की नोक पर ड्राईवर को बंधक बनाकर घाटी में पटक देंगे व गाड़ी लेकर ब्यावर में डकैती करके भाग जायेंगे। इस दौरान अगर कोई विरोध करेगा तो पिस्टल से फायर कर देंगे व आंखों में मिर्ची पाउडर डाल देंगे। बड़ी राशि लूटने के इरादे से सभी ने एक योजना बना कर सभी के काम तय कर रखे थे व योजना को पूरा कर पाते इसी से पूर्व पुलिस टीम ने सभी 6 अपराधियों को पकड़ लिया। सभी अभियुक्तों के विरुद्ध थाना जवाजा में मुकदमा दर्ज किया गया है। पकड़े गये चार अभियुक्तों के विरूद्ध पूर्व में विभिन्न थानों में चोरी, लूट व नकबजनी के कई मुकदमें दर्ज हैं। पुलिस गहनता से जांच में जुटी है और भी कई वारदातों का खुलासा संभव है। अभियुक्त जितेन्द्र नायक उर्फ जीतू भाटी पुत्र श्यामलाल, राकेश प्रजापत पुत्र शिवराम, देवेन्द्र सिंह उर्फ देवा रावत, सुरजीत सिंह उर्फ रिस्की बना पुत्र नंदा सिंह आदि है।

मासूम की मौत के बाद यू.आई.टी. प्रशासन चेता

कोटा में मासूम की मौत के बाद आक्रोशित लोग पोस्टमार्टम रूप में बाहर ही धरने पर बैठ गये, जिनसे मिलने यूआईटी के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

कोटा, (निसं)। सुभाष नगर इलाके के खाली प्लॉट में डूबने से मासूम की मौत के मामले में मोर्चरी के बाहर परिजनों और भाजपा पार्षदों ने हंगामा खड़ा कर दिया। मुआवजा दिलवाले व यूआईटी के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर परिजन और स्थानीय लोगों ने पोस्टमार्टम रूम के बाहर धरना दिया। परिजनों ने नारेबाजी कर प्रदर्शन किया और आक्रोश जताया।

हंगामें के बढ़ते हालत को देखते हुए पुलिस और आरएसी का जाब्ता तैनात किया गया है। सूचना मिलते ही अतिरिक्त जिला कलेक्टर बृजमोहन बैरवा यूआईटी अधिकारी और विधायक संदीप शर्मा भी मौके पर पहुंचे। विधायक संदीप शर्मा ने मौजूद यूआईटी के अधिकारियों को स्पष्ट कहा कि खाली पड़े भूखंडों के मकान मालिकों को नोटिस देकर कार्रवाई करें अगर कार्रवाई नहीं हुई तो आपके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। भाजपा नेता राकेश नायक ने तो पोस्टमार्टम रूम के बाहर यूआईटी के तहसीलदार को नियम गिना दिए।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यूआईटी और निगम को कई बार इस मामले में शिकायत दी जा चुकी है लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया जिसके कारण एक मासूम की जान चली गई। पीड़ित परिवार को मुख्यमंत्री सहायता कोष से सहायता राशि दो लाख और दोषी के विरुद्ध कार्रवाई के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ। विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि यूआईटी ने करोड़ों रुपए के प्लॉट तो विक्रय कर दिए लेकिन सुविधाओं के लिए कोई व्यवस्था नहीं की। खाली पड़े प्लॉट पर भू माफिया कब्जे कर लेते हैं अवैध खनन करते हैं खुदाई कर देते हैं और गहरी खुदाई में पानी भरता है जिसमें यह हादसे होते हैं। खाली पड़े प्लॉटों पर अब यूआईटी प्रशासन कार्रवाई की बात कर रहा है। खाली पड़े भूखंडों के मालिकों को 7 दिन में नोटिस जारी करने की बात यूआईटी प्रशासन ने कही है।

युवक पर फायरिंग का आरोप

नवलगढ़, (निसं)। गोठडा थाना क्षेत्र में बार-बार हो रही आपराधिक घटनाएं आमजन के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। ऐसा ही मामला गोठड़ा थाना क्षेत्र के चिराणा गांव में गुरुवार रात को भी सामने आया है। चिराणा निवासी मनोज

- युवक फायरिंग से बच गया, इसके बाद दोनों जने मौके से फरार हो गए, पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया

कल्याण पुत्र जगदीश कल्याण ने गुरुवार रात को अपने ऊपर दो जनों द्वारा फायरिंग करने की गोठड़ा थाने में रिपोर्ट दी है। मनोज कल्याण की रिपोर्ट के अनुसार वह रात्रि 8 बजे चिराणा में अपने भतीजे की बुक डिपो दुकान पर बैठा हुआ था। तभी अचानक विशाल पुत्र बल्लाराम नायक व मोहित पुत्र रामसिंह शेखावत आए और बहस करने लगे। इसके बाद विशाल नायक ने मनोज कल्याण पर फायरिंग की। लेकिन मनोज फायरिंग से बच गया। इसके बाद दोनों जने मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार गुरुवार रात 8.30 बजे सूचना मिली कि चिराणा में मनोज कल्याण पर विशाल नायक ने फायरिंग कर दी है। मौके पर पुलिस जाब्ते के साथ पहुंचे तो मनोज कल्याण ने घटनाक्रम के बारे में बताया। मनोज ने थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। रात को भी आरोपियों की तलाश के लिए दबिश दी गई। लेकिन पकड़ में नहीं आए। पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई हैं। जल्द ही गिरफ्तारी होगी।

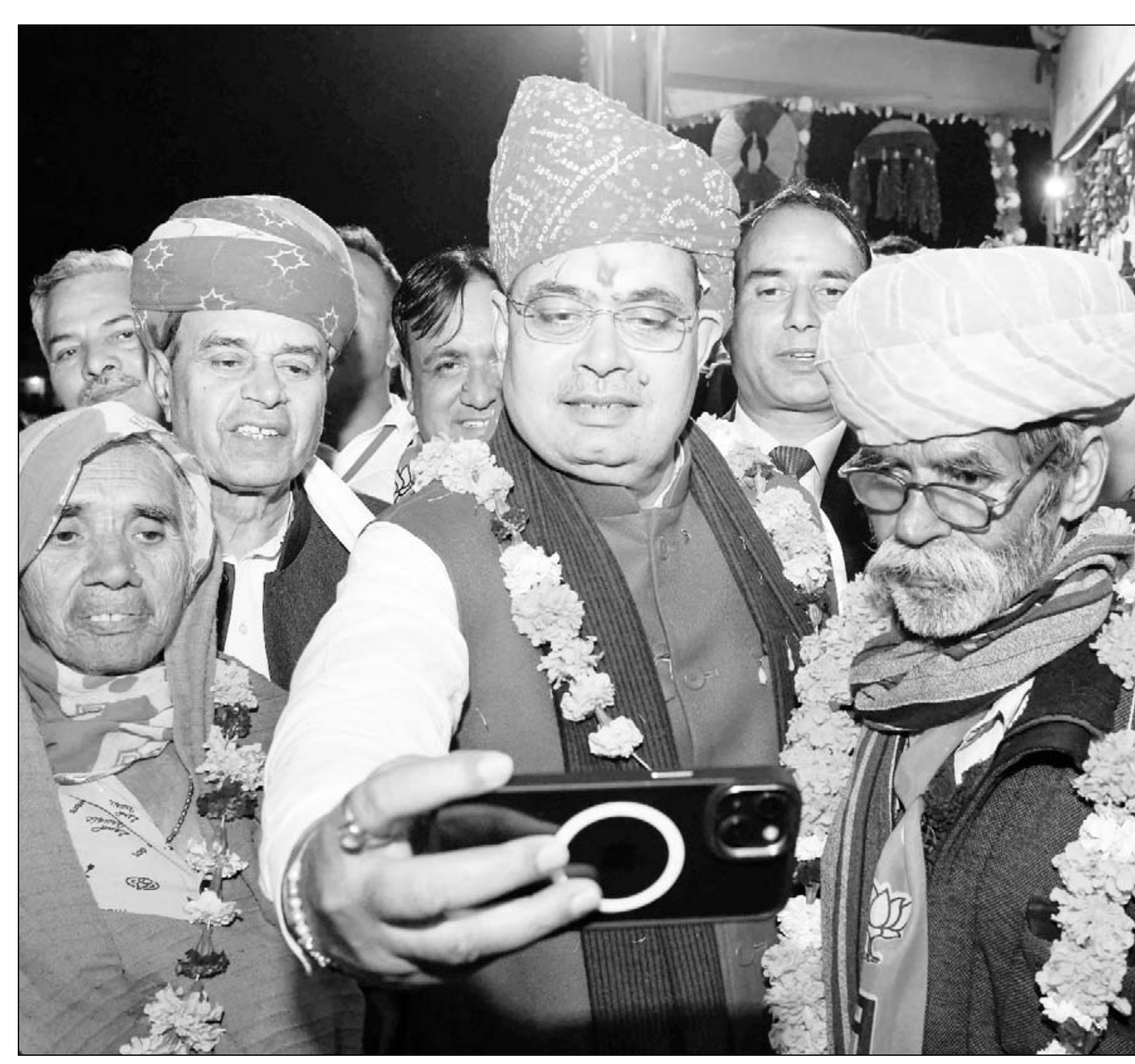

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को नागौर के गोगेलाव में जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से मिट्टी की बोतल खरीदकर यूपीआई से भुगतान कर डिजिटल इंडिया एवं वोकल फॉर लोकल का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने शिल्पियों का कार्य देखा और उनके साथ सेल्फी भी ली। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सार्वजनिक निर्माण राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार, राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह, पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री सी.आर. चौधरी, पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सहायक लेखाधिकारी व कैशियर रिश्वत लेते गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। नगर विकास न्यास के सहायक लेखाधिकारी एवं कैशियर को बिल पास करने की एवज में रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सहायक लेखाधिकारी से एसीबी टीम ने 70 हजार रुपए बरामद किए।

आरोपी के हाथ विशेष रसायन से धुलवाए, जिससे उनका रंग गुलाबी आ गया। यह कार्रवाई एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महावीर प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक आनंद मिश्रा की टीम ने की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गुडगांव की कंपनी ने वर्ष 2018 में शहर में रोड लाइट एवं पार्कों की लाइट का ठेका ले रखा था, जिसका कार्यकाल पूरा हो चुका है। पिछले तीन साल से 19 लाख रुपए का भुगतान अटका हुआ है। भुगतान करने के लिए कंपनी का सुपरवाइजर अशोक कुमार पिछले काफी समय से यूआईटी के चक्कर निकाल रहा था। तब यूआईटी के सहायक लेखाधिकारी गणेश कलवाणी एवं कैशियर मनीष खत्री से संपर्क में आया। उक्त दोनों ने बकाया राशि का 4.25 प्रतिशत देने की डिमांड की। उक्त दोनों कर्मचारियों से परेशान होकर परिवादी ने एसीबी में शिकायत की।

अनुकम्पात्मक नियुक्ति के लिए जिला आवंटित

बीकानेर, (निसं)। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से दिवंगत कार्मिकों के आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों का संवेदनशीलता से निस्तारण किया जा रहा है। राज्य सरकार की ओर से ऐसे प्रकरणों में तत्परता बरतने के निर्देशों के बाद स्कूल शिक्षा विभाग में गत एक से डेढ़ माह की अवधि में दिवंगत कार्मिकों के परिवारों को इस मुश्किल समय से उबारने के साथ सम्बल देने के लिए त्वरित कार्यवाही की गई है। शिक्षा निदेशालय, बीकानेर के स्तर पर अनुकम्पात्मक नियुक्ति के तहत विभिन्न जिलों के कुल 40 आश्रितों को प्रयोगशाला सहायक ग्रेड-III के पद पर अनुकम्पात्मक नियुक्ति के लिए जिलों का आवंटन किया गया है। सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को अनुकम्पा नियुक्ति के इन प्रकरणों में आगामी आवश्यक कार्यवाही को संपादित कर दस्तावेज जांच पश्चात नियुक्ति आदेश जारी करने के लिए निर्देशित किया गया है।

सांभर के चारभुजा नाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए बजट आवंटन का इंतजार

500 साल पुराने चारभुजा नाथ मंदिर के दोनों तरफ की भुजाएं हो चुकी है कमजोर

सांभरझील, (निसं)। भूतपूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के कार्यकाल के दौरान सांभर के सैकड़ों वर्ष पुराने दर्जनों मंदिरों की कायापलट कर उनकी खोई आभा लौटाने के लिए भले ही करोड़ों रुपए खर्च कर दिए गए हो लेकिन पर्यटन और पुरातत्व विभाग की सूची में सांभर का करीब 500 साल पुराना चारभुजा नाथ का मंदिर को इस सूची में क्यों नहीं जोड़ा गया।

यह यहां के श्रद्धालुओं के लिए आज भी सवालिया निशाना बना हुआ है। फुलेरा के तत्कालीन विधायक निर्मल कुमावत को इस संबंध में उनके कार्यकाल के दौरान दर्जनों बार इस मंदिर की दशा सुधारने के लिए यहां के पुजारी, आसपास के लोगों ने हाथ जोड़कर खूब अनुनय विनय किया लेकिन कोरे आश्वासन के अलावा उनको ओर से कुछ नहीं मिला। विगत सालों में स्थिति इतनी विकट हो गई कि

सांभर का प्राचीन चारभुजा नाथ मंदिर जीणोद्धार के अभाव में लगातार जर्जर होता जा रहा है।

मंदिर करीब चार माह पहले भरभरा कर आगे का हिस्सा पूरी तरह से ढह गया। इसके बाद भी पूर्व विधायक की ओर से इस पर कोई खास फोकस नहीं किया। इसी बात को लेकर आज भी यहां के लोगों में काफी नाराजगी भी बताई जा

- करीब चार माह पहले मंदिर का आगे का हिस्सा पूरी तरह से ढह गया था

रही है। मुख्यमंत्री राजे के कार्यकाल के दौरान पुरातत्व और पर्यटन विभाग के अधिकारियों और कथित राजनेताओं की मिलीभगत के कारण मंदिरों के जीर्णोद्धार और कायाकल्प के लिए भी जमकर राजनीति हुई और पक्षपात भी खूब हुआ।

गौरतलब है कि मापदंड में नहीं बताकर मंदिर के लिए बजट आवंटन नहीं करने का प्रावधान का रोना रोकर इस मंदिर के साथ पूरी तरह से भेदभाव भी किया गया। मंदिर की छत, दीवारें अंदर बाहर की ओर से अधिकांश जगहों से फटकर दो फाड़ हो चुकी है। सुरक्षा के लिए पालिका की ओर से दो दिन तक कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई थी बाद में मामला ठंडा पड़ने पर इन्हें यहां से भी हटा दिया। यहां के पुजारी राजेंद्र व्यास का मन पूरी तरह से व्यथित और दुखी है लेकिन वह अपनी जान को खतरे में डालकर प्रतिदिन पूजा-अर्चना करना नहीं भूलते हैं।

यहां के श्रद्धालुओं ने वर्तमान विधायक विद्याधर सिंह चौधरी को चुनाव प्रचार के दौरान पहुंचने पर इसके हालात से भी अवगत कराया तो उनकी ओर से इस मंदिर के लिए ठोस कदम उठाने का आश्वासन दिया था तथा कहा था कि यदि सरकार कुछ नहीं करेगी तो वह अपने निजी फंड से ही पैसा खर्च करके इसको फिर से खड़ा करेंगे। लोगों को इस मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए बजट आवंटन का सरकार से भी इंतजार बना हुआ है।